www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 कांग्रेस की कमियों को छिपाने के लिए...

3 पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को...

4 गढ़ी भरल में 96 लाख की विकास परियोजनाओं...

वर्ष: 10 | अंक: 69 | दिल्ली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

कृषि-किसान कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

साल के अंतिम दिन केन्द्रीय कृषि मंत्री ने किसानों से किया संवाद

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महाराष्ट्र प्रवास के दौरान अहिल्यानगर के बालेश्वर में कृषि विकास केन्द्र का भ्रमण कर किसानों से संवाद किया। शिवराज सिंह ने साल के अंतिम दिन खेत-खलिहान से जुड़े मुद्दों पर किसानों के साथ संवाद करते हुए कहा कि, केंद्र सरकार किसान कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। साथ ही केन्द्रीय मंत्री हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और किसान उसके प्राण। किसानों की आय बढ़ाने, खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने और गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है।

शिवराज सिंह ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की और अधिकारियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। वहीं केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने नए साल के पहले दिन, 1 जनवरी को ग्राम लोणी बुदरुक में ग्राम सभा कार्यक्रम में शामिल होंगे और ग्रामीणों से संवाद करेंगे, जहां गांवों के विकास, रोजगार, कृषि, सिंचाई और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विषयों पर केन्द्रीय मंत्री चर्चा करेंगे।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय वार्षिकोत्सव पर अयोध्या पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

संजना भारती संवाददाता

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के विराजमान होने के प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह के द्वितीय वार्षिकोत्सव में शामिल होने, आज देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अयोध्या धाम पहुंचे। इस पावन अवसर पर उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में हनुमान जी का दर्शन पूजन कर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के दर्शन किये। इसके बाद उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया। इस दौरान अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने अपने मनोभावों को व्यक्त करते हुए कहा कि नाथ आजु मैं कहा न पावाह्न। ऐसा लग रहा है कि जीवन में मैं जो पाना चाहता था, वह सब कुछ मुझे मिल गया। राघवेंद्र सरकार ने इस दिन के लिए स्वयं मुझे चुना था, इसलिए आज यह अवसर मुझे मिल रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यशाली दिन बताते हुए कहा, "आज से दो वर्ष पूर्व जब प्रभु श्रीराम यहां पुनर्प्रतिष्ठित हुए, वो समस्त भारतवासियों के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण था। प्रभु श्रीराम अपनी कीर्ति से आज केवल भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को विभूषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की हर गली-हर चौराहा राममय हो गया हो। कनक भवन, दशरथ महल, हनुमानगढ़ी, संपूर्ण अयोध्या मां सरयु की गोद में शोभायमान हो रही है। यह आभा केवल अयोध्या क्षेत्र

■ श्री राम जन्मभूमि परिसर में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर रक्षा मंत्री ने की धर्मध्वजा की स्थापना

तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण अवध और भारतवर्ष आज राममय है। उन्होंने इस दिन को गौरवपूर्ण बताते हुए याद दिलाया कि यह वही भूमि है, जिसने वर्षों तक भगवान राम के लिए असहनीय बलिदान दिया, अपमान सहा, लेकिन आस्था को कभी डिगने नहीं होने दिया। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को राजनाथ सिंह ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा कहा। उन्होंने कहा, हम सभी पिछले अनेक पीढ़ियों की तुलना में अत्यतं सौभाग्यशाली हैं कि हमने वह क्षण अपनी आंखों से देखा।

राम मंदिर आंदोलन को उन्होंने दुनिया का सबसे ग्रैंड नैरेटिव बताते हुए कहा कि यह आंदोलन भूगोल और समय दोनों के हिसाब से अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि भारत से लेकर पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेकों देश जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सब राम को मानने वालों का आंदोलन था। 500 वर्षों के लम्बें अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन इतिहास में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में केवल श्रीराम मंदिर का ही निर्माण नहीं हुआ है बल्कि हवाई अड्डा, रेल नेटवर्क, रोड कनेक्टिविटी के साथ उद्योग, व्यापार का सभी क्षेत्रों में अयोध्या विकास के नये आयाम रच रही है। विकास की यह धारा केवल अयोध्या तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे अवध प्रांत से लेकर देश के कोने-कोने तक पहुंच रही है।

योगी सरकार के प्रयास से सनातन का लौटा वैभव

सोशल मीडिया पर छाया काशी, अयोध्या, मथुरा में नए साल का जश्न मनाने का ट्रेंड

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। नए साल का जश्न मनाने के लिए जहां युवा पहले पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित होकर डिस्को, होटल, रेस्टोरेंट और हिल स्टेशनों का रुख करता था, इस साल इसमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन के पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में जिस तरह से धार्मिक और पर्यटन स्थलों का विकास हुआ है, उसका ही परिणाम है कि युवा लाखों की संख्या में काशी, मथुरा-वृंदावन और अयोध्या में नए साल की शुरूआत अपने इष्ट का दर्शन-पूजन से कर रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश से उठी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की वो लहर है, जिसमें न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के युवा, लड़के-लड़कियां नए जोश और उत्साह के साथ सम्मिलित हो रहे हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, इस वर्ष नए साल से

कई दिन पहले से ही प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों काशी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज में लाखों की संख्या में युवा पर्यटक पहुंच रहे हैं। इस क्रम में 29-30 दिसंबर को ही अयोध्या में भगवान श्रीराम का दर्शन करने 5 लाख से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं, जबकि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में पिछले तीन दिनों में 10 लाख और मथुरा में 3 लाख से अधिक पर्यटकों ने दर्शन पूजन किया। इनमें युवा पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक है। 31 दिसंबर और 01 जनवरी को और अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया जा रहा है जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने विशेष सुरक्षा प्रबंध किए हैं, साथ ही सुविधा के लिए गाइडलाइन भी जारी की है। नए साल का जश्न धर्म स्थलों में मनाने का युवाओं का यह रुझान सोशल मीडिया पर भी दिखाई दे रहा है। जहां न्यू ईयर 2026 इन अयोध्या, न्यू ईयर 2026 इन काशी या स्पिरिचुअल न्यू ईयर जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। युवा नए साल के जश्न में इन धर्म स्थलों पर दर्शन पूजन कर, दोस्तों और परिवारजनों के साथ सेल्फी अपलोड कर रहे हैं। यही रुझान पिछले वर्ष प्रयागराज में आयोजित हुए दिव्य-भव्य महाकुंभ में भी देखने को मिला था, जिसमें न केवल देश बल्कि विश्व के कोने-कोने से श्रद्धालु और पर्यटकों ने आकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह से प्रदेश में धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सांस्कृतिक पुनरुत्थान हुआ है, उसने युवाओं के मन में आध्यात्मिक उत्साह और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अलख जगाई है। इस संबंध में काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, विश्व भूषण मिश्र का कहना है- सनातन संस्कृति उत्सव, उत्साह एवं उल्लास की आश्रयस्थली है। विश्व के समस्त उत्सव सनातन मान्यता में उत्कर्ष प्राप्त करते हैं। लोक उत्सव प्रायः तात्कालिक सत्ता के आचरण को प्रतिबिंबित करता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से जिस तरह से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन हुआ, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण और मथुरा-वृंदावन, तीर्थराज प्रयागराज, विंध्याचल, नैमिषारण्य, संभल, मुजफ्फरनगर में शुक्रतीर्थ (शुक्रताल) के साथ प्रदेश के पुरातन मंदिरों का जीर्णोद्धार हुआ है, इससे विशेष तौर पर युवाओं में सनातन संस्कृति और अपनी परंपराओं के प्रति नई को ऊर्जा का संचार हुआ।

दिल्ली में राइड-शेयरिंग फिर शुरू होगी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी कड़ी में पर्यावरण एवं वन मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली सचिवालय में ओला, उबर, रैपिडो सहित प्रमुख टैक्सी और मोबिलिटी एग्रीगेटर्स तथा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक के दौरान मंत्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार चार प्रमुख क्षेत्रों- वाहन प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, धूल प्रदूषण और कचरा प्रबंधन-पर एक साथ काम कर रही है, ताकि लोगों को साफ हवा मिल सके। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक कम करने और साझा व ग्रीन परिवहन को बढ़ावा देने में मोबिलिटी एग्रीगेटर्स की भूमिका बहुत अहम है। यह बैठक में परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया माननीय मंत्री श्री सिरसा ने दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने और ईवी को बढ़ावा देने के लिए परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के प्रयासों की भी सराहना की।

बैठक में राइड-शेयरिंग पर विस्तार से चर्चा हुई। माननीय मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि सभी एग्रीगेटर्स कि दिल्ली में राइड-शेयरिंग सेवाएं जल्द से जल्द फिर शुरू की जाएं, क्योंकि इससे सड़कों पर वाहनों की संख्या घटती है और प्रदूषण कम होता है।

एग्रीगेटर्स ने बताया कि कुछ तकनीकी और संचालन से जुड़ी तैयारियां बाकी हैं, जिस पर माननीय मंत्री ने परिवहन विभाग को एक महीने के भीतर राइड-शेयरिंग सुविधा पूरी तरह लागू करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू ने नववर्ष 2026 पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने नव वर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नव वर्ष के शुभ अवसर पर मैं देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। नव वर्ष नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। यह आत्मचिंतन और नए संकल्पों का भी अवसर है। इस अवसर पर आइए हम राष्ट्र के विकास, सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करें। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 2026 हमारे जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लाए और एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान करे। इससे पहले, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी नव वर्ष की पूर्व संध्या पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया साल महज कैलेंडर में बदलाव नहीं है; यह नए संकल्पों को मजबूत करने का अवसर है। यह नए रास्ते तलाशने, सकारात्मक बदलाव को अपनाने और बेहतर इंसान बनने के लिए निरंतर प्रयास करने का समय है। अपने संदेश में बिरला ने कहा, "नए साल 2026 के आगमन पर मैं सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आशा है कि आने वाला वर्ष सभी के जीवन में नए सपने, नया उत्साह, नई संभावनाएं और भरपूर खुशियां लेकर आए।

नए साल के जश्न की तैयारी में दुनिया, इधर भारत ने बैक-टू-बैक दो 'प्रलय' मिसाइल दाग दी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। नए साल का आगमन होने वाला है। पूरी दुनिया जश्न की तैयारी में डूबी है। लेकिन इन तैयारियों के बीच भारत ने डबल धमाका कर दिया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए स्वदेशी रूप से विकसित प्रलय मिसाइल का बेहद सफल परीक्षण किया है. यह कोई साधारण परीक्षण नहीं था, बल्कि यह एक साल्वो लॉन्च था, जिसने दुश्मन के खेमे में खलबली मचा दी है। रक्षा विशेषज्ञों की भाषा में साल्वो लॉन्च का मतलब होता है एक साथ या बहुत कम अंतर पर कई हथियारों का हमला। भारत ने बुधवार को ओडिशा तट से दूर डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप से प्रलय लघु-श्रेणी बैलिस्टिक मिसाइल के उपयोगकर्ता परीक्षणों की एक श्रृंखला का सफलतापूर्वक संचालन किया, जो स्वदेशी रूप से विकसित हथियार प्रणाली की शामिल करने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित मूल्यांकन कार्यक्रम के तहत सुबह करीब 10 बजे दो मिसाइलों का परीक्षण किया गया, जिसके तुरंत बाद एक और मिसाइल दागी गई। ये परीक्षण उपयोगकर्ता द्वारा निर्धारित मापदंडों के तहत मिसाइल के परिचालन प्रदर्शन का आकलन करने के लिए किए गए थे, जिसमें सभी उद्देश्य पूरे हुए और कोई विचलन नहीं पाया गया।

अमित शाह का कोलकाता दौरा समाप्त, भाजपा विधायकों और सांसदों संग की बैठक

कोलकाता (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों और सांसदों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भाजपा विधायकों और राज्य के सांसदों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, चर्चा का केंद्र संगठनात्मक मामले और पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति थी। अमित शाह भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के तहत राज्य के दौरे पर हैं और पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें कर रहे हैं इस बीच, 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में राजनीतिक खींचतान तेज होने के साथ ही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक-दूसरे पर तीखे हमले किए। भाजपा के चुनाव अभियान की शुरूआत के लिए पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर आए शाह ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले 14 वर्षों से "डर और भ्रष्टाचार" राज्य की पहचान बन गए हैं। उन्होंने राज्य में अवैध प्रवासियों की कथित घुसपैठ पर ममता बनर्जी के रुख पर सवाल उठाया। उन्होंने ममता बनर्जी की सरकार पर सीमा बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने से इनकार करने का भी आरोप लगाया।

Municipal Committee, Rajound

Kaithal Assandh Road, Rajound-136044, Email: secv.rajound@gmail.com, Ph. No. 01746-256257

प्रधान व सचिव नगरपालिका राजौंद की तरफ से

नववर्ष 2026 की शुभकामनाएं

श्रीमती बबीता
प्रधान
नगरपालिका, राजौंद

- समय पर सम्पत्ति कर जमा करवाएं।
- मकान/दुकान बनाने से पहले नगरपालिका से नक्शा पास करवाएं।
- अपने शहर को स्वच्छ बनाने में नगरपालिका का सहयोग करें।
- कुड़े को नगरपालिका राजौंद की गाड़ी में ही डालें।
- गीले व सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन में ईक्टठा करें।
- घर और दुकान का कचरा गली-सड़क पर ना डालें।
- फल-सब्जी के छिलके पॉलिथीन में भरकर गली या नाली में न फेंके।
- गीला और सूखा कचरा डोर-टू-डोर वाहन के अलग-अलग बॉक्स में डालें।
- समय-समय पर जारी N.G.T. की हिदायतों की पालना करें।

श्री नरेंद्र शर्मा
सचिव
नगरपालिका, राजौंद

सम्पादकीय

वोट बैंक का लालच

वोट बैंक का लालच सत्तारुढ़ दलों को इस कदर हाथ बांधे रखने के लिए मजबूर रखता है कि बेशक प्राकृतिक आपदाओं के विनाश से लोगों की जान ही क्यों न चली जाए। इसकी सरकारों को चिंता–परवाह नहीं है। लगता है उनका एकमात्र उद्देश्य बन गया है हर हाल में वोट बैंक को बनाए रखना। ऐसी प्रवृत्ति की पुनरावृत्ति तब सामने आई सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार के प्रति जबरदस्त नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी मूकदर्शक की तरह बैठे रहे और अदालत ने खुद मामले में संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया। इस मामले में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से उत्तराखंड देश का सर्वाधिक संवेदनशील राज्य है। हर साल होने वाली प्राकृतिक आपदा भारी तबाही मचाती है। जिससे जान–माल का भारी नुकसान होता है। इसका प्रमुख कारण है प्रकृति से छेड़छाड़। इसमें विकास के नाम पर वनों का विनाश और वन भूमि पर अतिक्रमण प्रमुख है। पिछले आठ वर्षों में उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3,554 लोगों की जान गई, 5,948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। मानसून का मौसम लगातार घातक साबित होता है, जिससे राज्य की पहले से ही नाज़ुक भूभाग पर हर साल एक नया घाव हो जाता है। बादल फटने से धराली में आई भीषण बाढ़ में 5,948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपति का नुकसान हुआ। उत्तराखंड एक खतरनाक चक्र में फंस गया है। व्यापक और सक्रिय आपदा प्रबंधन के अभाव में, "देवभूमि" (देवताओं की भूमि) प्रकृति के प्रकोप से लगातार क्षतिग्रस्त होती रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों से हो रही देवदार के पेड़ों की कटाई ही उत्तराखंडी में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं का मुख्य कारण है। देवदार के पेड़ों की जड़ें घनी होती हैं जो मिट्टी को बांधकर रखती हैं, कटाव को रोकती हैं और भारी बारिश या भूस्खलन के दौरान मलबे और पानी के बहाव को रोककर संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों की रक्षा करती हैं। वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि यदि धराली में ऐतिहासिक देवदार के वन क्षेत्र बरकरार रहते, तो इस आपदा का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता, या शायद नगण्य ही हो जाता। एक समय उत्तराखंड के ऊंचे और हिमालयी क्षेत्र–विशेष रूप से समुद्र तल से 2,000 मीटर से ऊपर के इलाके–देवदार के घने जंगलों से आच्छादित थे। प्रति वर्ग किलोमीटर में औसतन 400 से 500 देवदार के पेड़ पाए जाते थे। वन, जो प्राकृतिक ढलानों को स्थिर रखते हैं, उनकी कमी से जल निकासी बाधित होती है और पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर होता है, जिससे आपदाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। पेड़–पौधे मिट्टी को जकड़कर रखते हैं। जब पेड़ कटते हैं, तो मिट्टी ढीली पड़ जाती है और भारी बारिश के दौरान आसानी से बह जाती है, जिससे भूस्खलन और मलबा प्रवाह होता है, जैसा कि 2013 के केदारनाथ आपदा में देखा गया था। 5 अगस्त, 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में आई विनाशकारी आपदा ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के प्रति हिमालयी राज्य की दीर्घकालिक संवेदनशीलता को उजागर कर दिया था। इस त्रासदी में 66 लोग लापता हुए। पिछले एक दशक में राज्य में लगभग 18,464 प्राकृतिक आपदाएं दर्ज की गई, जिससे भारी नुकसान हुआ है। उत्तराखंड का इतिहास कई बड़ी आपदाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में 768 लोगों की जान गई, उसके बाद 1998 के मालपा भूस्खलन (225 मौतें) और 1999 के चमोली भूकंप (100 मौतें) का नंबर आता है। साल 2013 की केदारनाथ बाढ़ सबसे विनाशकारी रही, जिसमें 5,700 से अधिक लोगों की जान गई, जबकि 2021 की रैनी आपदा में मरने वालों की संख्या में 206 रही। पिछले एक दशक में दर्ज की गई 18,464 घटनाओं में से चौका देने वाली 12,758 घटनाएं वर्षा से संबंधित और उसके बाद आई बाढ़ के कारण हुईं। भारत में 2024–2025 के आंकड़ों के अनुसार, 13,000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा वन भूमि पर अतिक्रमण है, जो कि दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुल क्षेत्रफल से भी ज्यादा है। मध्य प्रदेश और असम सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हैं, जहाँ लाखों हेक्टेयर भूमि पर कब्जा है, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में भी बड़ी मात्रा में वन भूमि अतिक्रमित है। जिससे वन, वन्यजीव और पर्यावरण को गंभीर खतरा है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा देश भर में वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में जारी आंकड़ों के मुताबिक वन भूमि पर सर्वाधिक अतिक्रमण वाले राज्यों में मध्य प्रदेश और असम सबसे आगे हैं, जहाँ सबसे ज्यादा वन क्षेत्र पर अवैध कब्जे हैं। इसके अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे राज्य भी महत्वपूर्ण अतिक्रमण वाले राज्यों की सूची में शामिल हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय ने वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) को सौंपी एक रिपोर्ट में बताया था कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 हेक्टेयर (या 13,056 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अंतर्गत था। इनमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादर और नगर और दमन और दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम मध्य प्रदेश, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं।

जयंती

सम्पूर्णानंद

जन्म :1 जनवरी, 1889, वाराणसी, मृत्यु : 10 जनवरी, 1969, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे, जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और राजस्थान के राज्यपाल भी रहे थे। डॉ. सम्पूर्णानंद कुशल तथा निर्भीक राजनेता एवं सर्वतोमुखी प्रतिभा वाले साहित्यकार एवं अध्यापक थे। उनकी इतिहास, पुराण, दर्शन, राजनीति, समाजशास्त्र आदि में गहरी पैठ थी। आध्यात्मिक विषयों में भी उनकी बड़ी रुचि थी। वे समाजवादी विचारों के व्यक्ति थे और 1934 में कांग्रेस के अंदर 'समाजवादी पार्टी' के गठन में आचार्य नरेंद्र देव के साथ उनका भी प्रमुख हाथ था।

पुण्यतिथि

शान्ति स्वरूप भटनागर

जन्म : 21 फरवरी, 1894, शाहपुर, पाकिस्तान; मृत्यु : 1 जनवरी, 1955, प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक, जो औद्योगिक अनुसन्धान परिषद के निदेशक रहे। इन्होंने राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की स्थापना में अमूल्य योगदान दिया।

कल मिलेंगे

राजू–डॉक्टर साहब, मैं बहुत खुश रहता हूं,
नींद भी अच्छे से आती है, जिंदगी में अमन ही अमन है
हर काम में दिल भी लगता है,
कोई परेशानी नहीं है, ऐसा क्यूं?
डॉक्टर–मैं आप की बीमारी समझ गया हूं,
आपकी जिंदगी में विटामिन she की कमी है....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

कांग्रेस की कमियों को छिपाने के लिए आरएसएस को अलकायदा जैसा बताना सिर्फ अनर्गल प्रलाप!

दिग्विजय सिंह के सुझावों ने कांग्रेस में आंतरिक बहस को तेज कर दिया है, जिससे संगठनात्मक सुधारों पर दबाव बढ़ा है। इससे पार्टी दो गुटों में बंटी नजर आ रही है, लेकिन लंबे समय में यह आत्ममंथन का अवसर साबित हो सकता है। अब पार्टी में आंतरिक विभाजन इतना बढ़ चुका है कि शशि थरूर जैसे नेताओं ने दिग्विजय का समर्थन किया, जबकि पवन खेड़ा और सलमान खुर्शीद ने विरोध जताया

-कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस नेतृत्व को भाजपा-आरएसएस के संगठनात्मक कौशल का आईना क्या दिखाया, कांग्रेसियों ने भाजपा-आरएसएस के खिलाफ अनर्गल प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है। कोई गांधी वनाम गोडसे के मुद्दे को उछाल रहा है तो कोई आरएसएस की तुलना अलकायदा से कर रहा है। बता दें कि दिग्विजय सिंह ने मौजूदा पीएम नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर शेयर कर कहा कि भाजपा में जमीनी कार्यकर्ता भी शीर्ष पद तक पहुंच सकता है, जो कांग्रेस की गुटबाजी पर प्रहार था। इससे सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई और पार्टी के बाहर भाजपा ने इसे कांग्रेस के संकट का संकेत बताया।

स्पष्ट है कि अपने ही दिग्गज नेता द्वारा कांग्रेस की कमियों को दुरुस्त करने की जरूरत बताने के बाद उसे छिपाने के लिए आरएसएस को अलकायदा जैसा बताना मानसिक व सियासी दिवालिया पन तो है ही, एक अनर्गल प्रलाप भी है। खास बात यह कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसे दिग्विजय सिंह की सियासी शरारत ठहरा रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस के कद्दावर नेता दिग्विजय सिंह ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स में आरएसएस-भाजपा की संगठनात्मक ताकत की तारीफ की और कांग्रेस में विकेंद्रीकरण व सुधारों की मांग उठाई।

लिहाजा, अब उनकी इस बेबाकी ने पार्टी के कई नेताओं को असहज कर दिया है। दरअसल, जिस तरह से सीडब्ल्यूसी की बैठक से पहले यह विवाद उठा है, उससे पार्टी के 140वें स्थापना दिवस से एक दिन पहले आयोजित हुई सीडब्ल्यूसी बैठक के दौरान दिग्विजय सिंह के बयानों का विरोध और तेज हुआ, जहां उनके बयानों को आलाकमान के खिलाफ असंतोष के रूप में देखा गया। उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने पार्टी के स्थापना दिवस समारोह के दौरान दिग्विजय सिंह के साथ बैठक कर उन्हें और भी गैर भरोसेमंद दिखाने की एक सफल कोशिश की है।

यही वजह है कि अब कांग्रेस पार्टी में प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो चुकी हैं और पार्टी में आंतरिक खींचतान शुरू हो गई। हालांकि शशि थरूर ने भी दिग्विजय सिंह का समर्थन करके नहले पर दहला चल दिया है। उधर, कई विश्लेषकों का मानना है कि दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी को सीधे निशाना बनाते हुए संगठन की कमियों पर आईना दिखाया। इससे पहले कुछ नेताओं ने पार्टी सांसद व महासचिव प्रियंका गांधी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताने की चाल चली, जिसका समर्थन रॉबर्ट वाड्रा ने भी कर दिया। इससे राहुल गांधी का सशंकित होना स्वाभाविक है।

मसलन, दिग्विजय सिंह के सुझावों ने कांग्रेस में आंतरिक बहस को तेज कर दिया है, जिससे संगठनात्मक सुधारों पर दबाव बढ़ा है। इससे पार्टी दो गुटों में बंटी नजर आ रही है, लेकिन लंबे समय में यह आत्ममंथन का अवसर साबित हो सकता है। अब पार्टी में आंतरिक विभाजन इतना बढ़ चुका है कि शशि थरूर जैसे नेताओं ने दिग्विजय का समर्थन किया, जबकि पवन खेड़ा और सलमान खुर्शीद ने विरोध जताया। आलम यह रहा कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में दिग्विजय सिंह के बयानों से हंगामा हुआ, जो केंद्रीकरण की कमियों को उजागर करता है। बावजूद इसके पार्टी नेतृत्व पर सुधारों का दबाव बढ़ा है।

अलबत्ता, इन सुझावों से हाई कमांड पर विकेंद्रीकरण और जमीनी मजबूती की मांग तेज हुई है। हालांकि कार्रवाई न लेने से कलह उभर सकती है, लेकिन अनुभवी नेताओं पर एक्शन से पार्टी की लोकतांत्रिक छवि को नुकसान पहुंचेगा। इसका संभावित परिणाम यह होगा कि कांग्रेस को संगठन मजबूत करने के लिए बड़े बदलाव करने पड़ सकते हैं, वरना चुनावी हारें जारी रहेंगी। यही वजह है कि बीजेपी इसे कांग्रेस ककि कमजोरी के रूप में प्रचारित कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कह रहे हैं कि राहुल गांधी की हार का सिलसिला पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में भी जारी रहेगा।

उधर, जिस तरह से कांग्रेस के नेता मणिक्कम टैगोर आरएसएस की तुलना अलकायदा से करने लगे हैं, उससे देश में यह बहस छिड़ चुकी है कि क्या आरएसएस से अलकायदा की तुलना उचित है? जवाब होगा बिल्कुल नहीं, आरएसएस की अलकायदा से तुलना उचित नहीं है, क्योंकि दोनों संगठनों के उद्देश्य, तरीके और गतिविधियाँ मूल रूप से भिन्न हैं। जहां आरएसएस एक सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन है जो हिंदुत्व पर आधारित है, जबकि अलकायदा एक वैश्विक इस्लामिक जिहादी आतंकी संगठन है। हालांकि, यह तुलना हाल ही में राजनीतिक बहस में सामने आई है, लेकिन तथ्यों पर आधारित नहीं।

जहां तक आरएसएस के स्वरूप की बात है तो आरएसएस की स्थापना 1925 में नागपुर में हुई, जो हिंदू एकता, चरित्र निर्माण और राष्ट्रभक्ति पर जोर देता है। यह अहिंसा और सत्य को हिंदुत्व के मूल्यों के रूप में मानता है, तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है। संगठन ने कभी प्रत्यक्ष हिंसा या आतंकवाद को प्रोत्साहित नहीं किया। जबकि दूसरी ओर अलकायदा का स्वरूप हिंसात्मक रहा है। उसकी स्थापना 1988 में हुई, जो जिहाद के नाम पर वैश्विक इस्लामी खलीफा स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। इसने यूएसएस कोल, अमेरिकी दूतावासों पर बम धमाके जैसे हमले किए, जिसमें हजारों निर्दोष मारे गए। इसका फोकस सशस्त्र जिहाद और पश्चिमी प्रभाव को समाप्त करना है।

यही वजह है कि कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने दिग्विजय सिंह के आरएसएस संगठन की प्रशंसा पर प्रतिक्रिया में यह तुलना की, जिसे भाजपा और आरएसएस ने राजनीतिक हताशा बताया। यह बयानबाजी विवादास्पद रही, लेकिन वैचारिक अंतर को नजरअंदाज करती है। इतना ही नहीं, आरएसएस और अलकायदा के उद्देश्यों में भी अंतर हैं। आरएसएस और अलकायदा के उद्देश्यों में मूलभूत अंतर यह हैं कि जहाँ आरएसएस हिंदू समाज के चरित्र निर्माण और राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति पर केंद्रित है, जबकि अलकायदा वैश्विक जिहाद के माध्यम से इस्लामी खलीफा स्थापित करने का लक्ष्य रखता है।

एक ओर आरएसएस का मुख्य लक्ष्य हिंदू धर्म, संस्कृति और समाज की रक्षा करते हुए राष्ट्र का सर्वांगीण विकास करना है। यह युवाओं के चरित्र निर्माण, सामाजिक संगठन और राष्ट्रभक्ति के माध्यम से समाज को सक्रिय बनाने पर जोर देता है। संगठन अहिंसक तरीकों से हिंदू एकता और स्वाभिमान को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करता है। तो दूसरी ओर अलकायदा का दीर्घकालिक उद्देश्य मुस्लिम दुनिया को एकजुट कर शरिया-आधारित खलीफा राज्य स्थापित करना है। इसके तात्कालिक लक्ष्य अमेरिकी सेनाओं को अरब प्रायद्वीप से हटाना, जिहाद को बढ़ावा देना और पश्चिमी प्रभाव को समाप्त करना हैं। यह सशस्त्र जिहाद और वैश्विक इस्लामी क्रांति पर आधारित है।

यही वजह है कि कांग्रेस नेता टैगोर को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए। वहीं कांग्रेस के एक अन्य नेता ने नाथूराम गोडसे और महात्मा गांधी के अंतर का मुद्दा उछाल दिया। वह इसलिए कि सियासी विमर्श का रुख मोड़ा जा सके। अलबत्ता उनकी कोशिश भी पुनः राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है, खासकर भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधने के लिए। हालिया घटनाओं में दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं की टिप्पणी के बाद एक कांग्रेस नेता ने 'गांधी बनाम गोडसे' की वैचारिक लड़ाई का जिक्र किया। इसका कारण यह है कि कांग्रेस अक्सर गोडसे को हत्यारा बताकर भाजपा को घेरती है, जबकि खुद के इतिहास पर सवाल उठते हैं जैसे मध्य प्रदेश में गोडसे समर्थक को शामिल करना। यूँ तो यह गांधी जयंती या अन्य मौकों पर भी कांग्रेसियों के बीच तीखी बहस का विषय बनता है। क्योंकि गोडसे ने गांधी की हत्या के पीछे विभाजन, पाकिस्तान को 55 करोड़ देने और मुस्लिम पक्षधरता का आरोप लगाया था। इसलिए कांग्रेस इसे वर्तमान राजनीति में अक्सर इस्तेमाल करती है। बार बार ऐसी ही बात छेड़कर वह सियासी रसातल की ओर मुखातिब है। काश! उसके बड़े नेता इसे समझते और अपने छुटभैये नेताओं की लगाम कसते।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सनातन संस्कृति, भारत एवं संघ के विरुद्ध गढ़े जा रहे हैं झूठे विमर्श

वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता की आवश्यकता पड़ी थी। आपने देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भालने और विशेष रूप से दिल्ली की यातायात व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अनुरोध किया था ताकि इन कार्यों में व्यस्त पुलिसकर्मियों का भारतीय सेना की मदद में उपयोग किया जा सके

-प्रहलाद सबनानी

भारत आज विश्व के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिदृश्य को बदलने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। पश्चिमी देशों के वर्चस्व को पूर्वी देशों से चुनौती मिल रही है, जिसका नेतृत्व भारत करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए, अमेरिका के कुछ विघ्नसंतोषी संस्थानों सहित कुछ विकसित देश सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निराधार आरोप लगाकर झूठे विमर्श गढ़ने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों की समस्या यह है कि वे केवल अपनी आधी अधूरी जानकारी को ही पूर्ण जानकारी मानते हुए अपने विचार तय करते हैं। जबकि, उनके विचार स्पष्टतः सत्यता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे।

कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तानी सेना के पूरे कश्मीर पर कब्जे को विफल करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान किया। दादरा, नगर हवेली और गोवा को मुक्त कराते हुए भारत में विलय में भी संघ के स्वयसेवकों की प्रमुख भूमिका रही थी। 21 जुलाई 1954 को दादरा को पुर्तगालियों से मुक्त कराया गया था, 28 जुलाई 1954 को नरोली और फिपारिया को मुक्त कराया गया और फिर राजधानी सिलवासा को मुक्त कराया गया था। संघ के स्वयसेवकों ने 2 अगस्त 1954 की सुबह पुर्तगाल का झंडा उतारकर भारत का तिरंगा फहराया था एवं दादरा नगर हवेली को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराकर भारत सरकार को सौंप दिया था।

भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया था अतः वर्ष 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने श्री जगन्नाथ राव जोशी जी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर गोवा मुक्ति आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसके परिणामस्वरूप जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कई कार्यकताओं को दस वर्ष की सजा सुनाई गई। हालत बिगड़ते देख अंततः भारतीय सैनिकों ने हस्तक्षेप किया और वर्ष 1961 में गोवा को आजादी प्राप्त हुई।

इसी प्रकार वर्ष 1962 में भी चीन के साथ भारत के युद्ध के समय संघ के स्वयसेवकों ने भारतीय सेना की भरपूर मदद की थी। संघ के स्वयंसेवक पूरे उत्साह के साथ सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे। स्वयंसेवकों ने सरकारी कार्यों में और विशेष रूप से जवानों की मदद में पूरी ताकत लगा दी थी। सैनिक आवाजाही मार्गों की चौकसी, प्रशासन की मदद, रसद और आपूर्ति में मदद और ययां तक कि शहीदों के परिवारों की चिंता भी संघ के स्वयसेवकों ने की थी। संघ के इस महान योगदान को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरु ने भी पहचाना था और 26 जनवरी 1963 की गणतंत्र दिवस की परेड में संघ के स्वयंसेवकों को शामिल होने का निमंत्रण दिया था। गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए महीनों की तैयारी की जाती है परंतु केवल 2 दिन पहिले मिले निमंत्रण पर संघ के 3,500 स्वयंसेवक गणवेश में गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए थे।

वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता की आवश्यकता पड़ी थी। आपने देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भालने और विशेष रूप से दिल्ली की यातायात व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अनुरोध किया था ताकि इन कार्यों में व्यस्त पुलिसकर्मियों का भारतीय सेना की मदद में उपयोग किया जा सके। युद्ध के इस कठिन समय में घायल जवानों को सबसे पहिले रक्तदान देने में भी संघ के स्वयंसेवक ही सबसे आगे रहे थे। युद्ध के दौरान कश्मीर की हवाईपट्टियों से बर्फ हटाने का कार्य भी संघ के स्वयसेवकों द्वारा ही सम्पन्न किया गया था।

भारत में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु विद्या भारती, शिक्षा भारती, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों की स्थापना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की। यह समस्त संगठन आज शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते हुए भारतीय संस्कृति के संस्कारों को भारतीय युवाओं के बीच ले जाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रहे हैं। 1952 में गोरखपुर में प्रारंभ हुए प्रथम विद्यालय के साथ विद्या भारती वर्तमान में 12,830 औपचारिक विद्यालय तथा 11,350 अनौपचारिक केंद्र के साथ कुल 24,180 प्राथमिक, माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा स्तर पर संचालित करती है जिनमें अध्ययनरत छात्रों की संख्या लगभग 34,48,000 तथा शिक्षकों की संख्या 150,000 है। वर्ष 1955 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की गई थी। भारतीय मजदूर संघ विश्व का पहिला ऐसा मजदूर आंदोलन था, जिसने विध्वंस के स्थान पर निर्माण की धारणा की नीति अपनाई थी। विनिर्माण इकाईयों में विश्वकर्मा जयंती का चलन भारतीय मजदूर संघ ने ही प्रारम्भ किया था। आज भारतीय मजदूर संघ विश्व का सबसे बड़ा, शांतिपूर्ण और रचनात्मक मजदूर संगठन बन गया है।

सेवा भारती, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा चालित एक प्रकल्प है। यह मुख्यतः वनवासी क्षेत्रों में कार्य करता है। इसके मुख्य कार्य हैं-शिक्षा, संस्कार, सामाजिक जागरूकता, स्वरोजगार, धर्म-परिवर्तन से वनवासियों की रक्षा, आदि। सेवा भारती, भारत के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में 2 लाख से अधिक सेवा कार्य कर रहा है। लगभग 35,000 एकल विद्यालयों में 10 लाख से अधिक छात्र अपना जीवन संवार रहे हैं। सेवा भारती ने जम्मू कश्मीर से आतंकवाद में अनाथ हुए 57 बच्चों के गोद लिया है जिनमें 38 मुस्लिम एवं 19 हिंदू बच्चे शामिल हैं।

वर्ष 1971 में ओड़िसा में आए भयंकर चक्रवात, वर्ष 1977 में आंध्रप्रदेश में आए चक्रवात, भोपाल गैस त्रासदी के दौरान, वर्ष 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों, वर्ष 2001 में गुजरात में आए भूकम्प, उत्तराखंड में आई भयंकर बाढ़ और कारगिल युद्ध के घायलों की सेवा में संघ के स्वयसेवकों ने राहत और बचाव कार्यों में हमेशा आगे रहकर भागीदारी की है। महात्मा गांधी ने वर्ष 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक शिविर की यात्रा के दौरान वहां पूर्ण अनुशासन देखा और छुआछूत की अनुपस्थिति पायी। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और जाना कि वहां लोग एक साथ रह रहे हैं तथा एक साथ भोजन कर रहे हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

2025 की वो घटनाएं जिन्होंने पूरी दुनिया को हिला दिया

(एजेन्सी)।

2025 की वैश्विक और राष्ट्रीय घटनाओं ने यह साफ कर दिया कि दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ युद्ध, कूटनीति, लोकतंत्र, आतंकवाद और तकनीक-सब एक-दूसरे से टकरा रहे हैं। कहीं अमेरिका ईरान के भूमिगत परमाणु ठिकानों पर बंकर बस्टर बम गिराता दिखा, तो कहीं 26/11 के गुनहगार तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण न्याय की लंबी लड़ाई का प्रतीक बना। भारत में वोटर वेरिफिकेशन से लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की कोशिश हुई, वहीं नेपाल में जेन जी आंदोलन ने सत्ता के खिलाफ युवाओं की ताकत दिखाई। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का निजी पल वैश्विक सुर्खी बना, तो भारत के लिए शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष सफर गर्व का क्षण रहा। एयर इंडिया की भयावह दुर्घटना ने सुरक्षा पर सवाल खड़े किए, मोदी-पुतिन की सीक्रेट बातचीत ने भू-राजनीति को नई दिशा दी, और पहलगाम आतंकी हमले की तस्वीर ने इंसानियत को झकझोर दिया। ये घटनाएँ सिर्फ खबरें नहीं, बल्कि हमारे समय की सच्ची तस्वीर हैं।

1. अमेरिका का ईरान पर बंकर बस्टर बम से हमला: 22 जून को अमेरिका ने ईरान पर मिसाइल हमला किया। इसमें ईरान के तीन बड़े परमाणु ठिकानों सहित अन्य स्थलों को निशाना बनाया गया। विभिार रिपोर्ट्स के अनुसार फोर्दो, नतांज व इस्फहान परमाणु केंद्रों में नुकसान हुआ। अमेरिका ने परमाणु क्षमताओं को टारगेट करने वाली कार्रवाई बताया। अमेरिका की तरफ से 14 गए अमेरिका ने इन हमलों में ईरान के भूमिगत शोध केंद्रों को टारगेट किया गया।

2. तहव्वुर का प्रत्यर्पण: 9 अप्रैल को 26/11/2008 मुंबई हमले से जुड़े आरोपित तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया। उसे भारतीय जांच एजेंसी की हिरासत में सौंपा गया। 14 साल की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद तहन्बुर को अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया। 2011 में दोषी ठहराया गया था।

3. एसआईआर नौ राज्यों में वोटर्स का वेरिफिकेशन: 4 नवंबर को कई राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू हुई। इसमें 51 करोड़ मतदाता आते हैं, 321 जिलों तथा 1,843 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया जा रहा है। 9 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में यह चल रहा है। इनमें यूपी, बंगाल, तमिलनाडु, केरल, मध्य प्रदेश आदि शामिल हैं।

4. नेपाल का जेन जी आंदोलन

9 सितंबर को नेपाल में युवाओं (जेन जी) ने 'नया नेपाल, नई सोच' के साथ प्रदर्शन शुरू किए।

सोने की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल

(एजेन्सी)।

देशभर में लाखों परिवार मौजूदा दौर के मेकिंग चार्ज के नाम पर 15 फीसदी तक को सही नही मानते हुए अब सोने के गहनों से दूरी बनाकर सिक्कों और बार की ओर रुख करने लगे हैं। गौरतलब है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े गोल्ड बाजारों में से एक है और यहां सोना सिर्फ निवेश नहीं बल्कि परंपरा और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक भी माना जाता है। लेकिन मौजूदा साल में सोने की कीमतों में आई जबरदस्त तेजी ने उपभोक्ताओं के व्यवहार को बदल दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, वैश्विक स्तर पर सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और डॉलर की कमजोरी के चलते सोने की कीमतों में करीब 67 प्रतिशत की उछाल आई है। 26 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,549.7 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। वहीं भारत में घरेलू सोने के दाम इस साल करीब 77 प्रतिशत बढ़े हैं, जबकि निफ्टी 50 सिर्फ 9.7 प्रतिशत ही चढ़ सका है।

कीमतों में इस तेज उछाल का असर साफ तौर पर खरीदारी के तरीकों पर दिख रहा है। कोलकाता की निबेदिता चक्रवर्ती बताती हैं कि अब वे हल्के डिजाइन के गहने चुन रही हैं क्योंकि वजन में थोड़ी सी कटौती से ही हजारों रुपये की बचत हो जाती है। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि उपभोक्ता अब डिजाइन और वैल्यू दोनों पर ध्यान दे रहे हैं। पीएन गाडगिल ज्वेलर्स के चेयरमैन सौरभ गाडगिल के मुताबिक, ग्राहक अब ऐसे गहने चाहते हैं जिनसे सोने का स्वामित्व बना रहे लेकिन कीमत का दबाव न पड़े।

भारत ने 5-0 से सीरीज जीती, दीप्ति शर्मा का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

(एजेन्सी)।

तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित कर दिया। भारत ने श्रीलंका को पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में 15 रन से हराकर सीरीज पर 5-0 से क्लीन स्वीप किया है। इस मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत कौर की जिम्मेदार पारी और गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को जीत दिलाई है।

बता दें कि यह मुकाबला 30 दिसंबर को खेला गया, जहां भारत पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बना सका। शुरूआत भारत के लिए आसान नहीं रही और शीर्ष क्रम जल्दी बिखर गया था। शैफाली वर्मा सस्ते में आउट हो गईं, वहीं ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा भी बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। ऐसे में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मोर्चा संभाला और 43 गेंदों में 68 रन की संयमित लेकिन प्रभावशाली पारी खेली। अंतिम ओवरों में अरुंधति रेड्डी ने 11 गेंदों में 27 रन जोड़कर स्कोर को सम्मानजनक स्तर तक पहुंचाया।

श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहरी ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट झटके, जबकि चमारी अथापथु और रश्मिका सेव्वंडी को भी दो-दो सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरूआत लड़खड़ाई, कप्तान चमारी अथापथु सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गईं। हालांकि इसके बाद हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने पारी संभाली और दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। परेरा ने 42 गेंदों पर 65 रन बनाए जबकि दुलानी ने 39 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। इसके बावजूद रन रेट धीरे-धीरे बढ़ता चला गया। गौरतलब है कि 12वें ओवर में अमनजोत कौर ने दुलानी को आउट कर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। इसके बाद श्रीलंका की पारी लड़खड़ा गई और टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में दीप्ति शर्मा ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की। उन्होंने निलाक्षिका सिल्वा को एलबीडब्ल्यू आउट कर अपना 152वां टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिया और इस तरह वह महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट का रिकॉर्ड तोड़ा। दीप्ति के अलावा भारत के सभी गेंदबाजों ने कम से कम एक विकेट लिया, जिससे श्रीलंका पर लगातार दबाव बना रहा।

मौजूद जानकारी के अनुसार, यह भारत का महिला टी20 में छठा 5झ्र0 क्लीन स्वीप है। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा कि 2025 का साल टीम के लिए बेहद खास रहा है और वनडे वर्ल्ड कप के बाद टीम ने टी20 फॉर्मेट में भी आत्मविश्वास के साथ खुद को ढाला है।

रणवीर सिंह की धुरंधर का बड़ा नुकसान!

(एजेन्सी)। धुरंधर बॉक्स ऑफिस कलेक्शनः जहां एक तरफ धुरंधर दुनिया भर में रिकॉर्ड तोड़ रही है, वहीं एक अहम मार्केट उसकी पहुंच से बाहर रहा। रणवीर सिंह स्टारर यह स्पाई थ्रिलर कई मिडिल ईस्ट देशों में रिलीज नहीं हुई-इस फैसले का इसके ओवरसीज कमाई पर काफी असर पड़ा। इस झटके के बावजूद, फिल्म ने ग्लोबली 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और 1,100 करोड़ रुपये के करीब पहुंच रही है। लेकिन फिल्म के ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूटर के मुताबिक, ये आंकड़े और भी ज्यादा हो सकते थे। फायदेमंद गल्फ मार्केट से इस गैरमौजूदगी का फिल्म की ओवरसीज कमाई पर काफी असर पड़ा, अनुमान है कि बैन की वजह से करीब 90 करोड़ रुपये (10 मिलियन USD) का नुकसान हुआ। हाल ही में एक इंटरव्यू में, फिल्म के ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूटर प्रणब कपाड़िया ने बताया कि मिडिल ईस्ट के देशों में बैन की वजह से रणवीर सिंह स्टारर फिल्म के संभावित ओवरसीज रेवेन्यू को काफी नुकसान हुआ है।

पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 33 लाख 46 हजार 996 सौ पांच रुपये का किया भुगतान

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन बदायूं। नगर पालिका परिषद में सेवानिवृत समारोह कार्यक्रम नगर पालिका में पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सेवानिवृत हुए कार्यालय अधीक्षक खालिद अली खां को 22 लाख 89 हजार तथा अनुचर ओमदत्त शर्मा को 10 लाख 57 हजार 976 रुपये का भुगतान किया गया। पालिका अध्यक्ष ने फूलमाला एवं शाल देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा ने सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, एक नयी शुरूआत है। अपने परिवार व दोस्तों के साथ अपने अनुभवों को साझा करें। शरीर को स्वास्थ्य रखने के लिए तनावमुक्त रहें। योग का सहारा लें। हमेशा खुश रहें। समारोह में सेवाकाल में पालिका से मिले अनुभवों को एक-दूसरे से साझा किया। साथ ही पालिका की सेवा से मिले सम्मान से गौरान्वित महसूस किया।

सरकारी सेवा के बाद बुद्धवार को सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने कहा कि मेरे कार्य कार्यकाल सेवानिवृत कर्मचारियों का पूर्ण भुगतान किया जाएगा।

इस अवसर पर सभासद ग्रीश शुक्ला, रवि कुमार, मनोज चन्देल, मुकेश साहू, अनवर खां, श्याम पाल सिंह, मुशाहिद, ममता, नवैद, समेत अधिकाशी अधिकारी विनय कुमार मणि त्रिपाठी, जलकल अभियन्ता नितिन सक्सेना, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मोहम्मद तय्यब, निर्माण लिपिक सचिन सवसेना, नवैद इकबाल गनी, केशव गंगवार, सूर्य प्रकाश सक्सेना, रजनेश चन्द्र, शरीफ अहमद, लवी, राजेन्द्र सिंह, विनोद सोनकर, सुमित सिंह, महेश बाबू, इमरान, गजेन्द्र आदि मौजूद रहे।

बदायूं के एआरटीओ राम वचन हुए सेवानिवृत 24 वर्ष 3 माह की रही सेवा

संजना भारती संवाददाता बदायूं। बुधवार को बदायूं के एआरटीओ प्रशासन राम वचन गुप्ता अपनी 24 वर्ष 3 माह की सेवा करने के उपरांत सेवानिवृत हो गए, बदायूं जिले में गुप्ता का कार्यकाल 4 वर्ष का रहा राम वचन गुप्ता मूल रूप से यूपी के जनपद गोरखपुर के रहने वाले हैं उनके दो बच्चे हैं एक बेटा लॉ कर रहा है दूसरी बेटी एमबीबीएस की शिक्षा ग्रहण कर रहीं हैं। उनके सेवानिवृत वाले दिन डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर कमल गुप्ता, सेवानिवृत वाले दिन आरटीओ प्रशासन बरेली पंकज सिंह आरटीओ प्रवर्तन बरेली प्रणव झा बदायूं ए आर टी ओ प्रवर्तन अंबरीश कुमार पीटीओ रमेश प्रजापति बड़े बाबू ज्ञानेंद्र कुमार निखिल सक्सेना, एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा अधिकारियों कर्मचारियों एवं मीडिया बंधुओ ने प्रतीक चिन्ह देकर उनको सम्मानित किया।

जरूरतमंदों के बीच बांटे गये कंबल, स्वेटर व जैकेट

एसबी ब्यूरो दलसिंहसराय/समस्तीपुर। दलसिंहसराय में जारी भीषण ठंड को देखते हुए पिछले एक सप्ताह से "राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल ट्रस्ट"की ओर से जरूरतमंदों के लिए राहत कार्य चलाया गया। ट्रस्ट के सदस्यों ने शहर के विभिन्न मोहल्लों के साथ-साथ रेलवे स्टेशन,बस स्टैंड एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर असहाय और गरीब लोगों के बीच कंबल व स्वेटर का वितरण किया।कंबल वितरण कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजीव प्रकाश के नेतृत्व में सचिव गिरीश सर्राफ,उपाध्यक्ष संतोष कुमार, उपाध्यक्ष रोहन प्रकाश, रोहित कुमार सोनी, शैलेश कुमार कानू गांधी ठाकुर, नीतीश सोनी, अविनाश कुमार, अमित कुमार, श्रीकांत कुमार, रामप्रवेश राय सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे और सभी ने वितरण कार्य में सक्रिय योगदान दिया।इस नेक कार्य में आमंत्रित सदस्य के रूप में अमित वर्णवाल, दीप्तांशु प्रकाश, राजकुमार भी मौजूद रहे।

स्थानीय लोगों ने ट्रस्ट की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य ठंड के मौसम में जरूरतमंदों के लिए बड़ी राहत साबित होते हैं। ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि आगे भी इसी तरह के सेवा एवं जनहित के कार्य लगातार किए जाते रहेंगे। ट्रस्ट द्वारा पिछले साल भी ठंड के मौसम में इस तरह के वितरण कार्यक्रम को अंजाम दिया गया था।

ट्रस्ट के संयोजक कुणाल कुमार सोनी ने कहा है कि यह वितरण कार्यक्रम ठंड के भीषण कहर को देखते हुए आगे भी जारी रहेगा और जरूरतमंदों तक इसका लाभ पहुंचाया जाएगा।अंदर बाजार में इस वितरण कार्यक्रम का प्रमुख सुभाष कुमार सोनी और आकाश आनंद को बनाया गया है।आम लोग इस कार्य में उनकी मदद ले सकते हैं।

प्रेस शाखा के अतिरिक्त निदेशक डॉ. साहिब राम गोदारा 23 वर्षों की सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा/चंडीगढ़। हरियाणा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की प्रेस शाखा में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत डॉ. साहिब राम गोदारा आज 23 वर्षों की संतोषजनक एवं अनुकरणीय सेवा पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। डॉ. साहिब राम गोदारा ने 1 जनवरी, 2003 को जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के रूप में विभाग में अपनी सेवाएं प्रारंभ कीं। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने सिरसा, जींद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी तथा फतेहाबाद जिलों में जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए विभागीय दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। विभागीय सेवाओं से पूर्व डॉ. गोदारा गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में जर्नलिज्म विभाग में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं, जिससे उनके प्रशासनिक कार्यों में अकादमिक अनुभव की स्पष्ट झलक देखने को मिली।

नववर्ष 2026 के शुभआगमन

Happy New Year

के अवसर पर ग्राम पंचायत राज खानपुर उत्तरी के

मुखिया अरुण कुमार सिंह कुशवाहा

की ओर से पंचायतवासियो, प्रखंडवासियो, प्रखंड के सभी पदाधिकारियों, जिलावासियों, बिहारवासियों सहित देशवासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं एवं भगवान श्री गणेशजी की कृपा से अंनत खुशियों की बधाईयां।

निवेदकः समस्त ग्राम पंचायत राज खानपुर उत्तरी, पंचायतवासियो, प्रखंड-खानपुर, जिला-समस्तीपुर

नववर्ष 2026 के शुभआगमन

Happy New Year

के अवसर पर ग्राम पंचायत राज दिनमनपुर दक्षिणी के

सरपंच लालबाबू राम

की ओर से पंचायतवासियो, प्रखंडवासियो, प्रखंड के सभी पदाधिकारियों, जिलावासियों, बिहारवासियों सहित देशवासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं एवं भगवान श्री गणेशजी की कृपा से अंनत खुशियों की बधाईया।

निवेदकः सरपंच पुत्र सिंटू कुमार सहित समस्त ग्राम पंचायत राज दिनमनपुर दक्षिणी पंचायतवासियो, प्रखंड-खानपुर जिला-समस्तीपुर

नववर्ष 2026 के शुभआगमन

Happy New Year

के अवसर पर ग्राम पंचायत राज खानपुर दक्षणी के

पैक्स अध्यक्ष रामसागर राय

की ओर से पंचायतवासियो, प्रखंडवासियो, प्रखंड के सभी पदाधिकारियों, जिलावासियों, बिहारवासियों सहित देशवासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं एवं भगवान श्री गणेशजी की कृपा से अनंत खुशियों की बधाईयां।

निवेदकः पैक्स अध्यक्ष के पुत्र पप्पू कुमार राय सहित समस्त खानपुर दक्षिणी पंचायतवासियो, प्रखंड-खानपुर, जिला-समस्तीपुर

नववर्ष 2026 के शुभआगमन

Happy New Year

के अवसर पर ग्राम पंचायत राज खैरी के निर्विरोध

पैक्स अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह

की ओर से पंचायतवासियो, प्रखंडवासियो, प्रखंड के सभी पदाधिकारियों, जिलावासियों, बिहारवासियों सहित देशवासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं एवं भगवान श्री गणेशजी की कृपा से अनंत खुशियों की बधाईयां।

निवेदकः

समस्त ग्राम पंचायत राज खैरीवासियो प्रखंड-खानपुर, जिला-समस्तीपुर

नववर्ष 2026 के शुभआगमन

Happy New Year

के अवसर पर जिला परिषद क्षेत्र संख्या-35 के

जिला पार्षद स्वर्णिमा सिंह

की ओर से ग्रामवासियों, प्रखंडवासियों, प्रखंड के सभी पदाधिकारियों, जिलावासियों, बिहारवासियों सहित देशवासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं एवं भगवान श्री गणेशजी की कृपा से अनंत खुशियों की बधाईयां।

निवेदकः डॉ. लालबाबू ग्राम-रेबरा, प्रखंड-खानपुर, जिला-समस्तीपुर, बिहार

नववर्ष 2026 के शुभआगमन

Happy New Year

के अवसर पर ग्राम पंचायत राज खैरी के

मुखिया मौनी कुमारी

की ओर से पंचायतवासियों, प्रखंडवासियो, प्रखंड के सभी पदाधिकारियों, जिलावासियों, बिहारवासियों सहित देशवासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं एवं भगवान श्री गणेशजी की कृपा से अनंत खुशियों की बधाईयां।

निवेदकः पवनदेव प्रसाद सिंह, पूर्व प्रखंड उप प्रमुख, सहित समस्त खैरी पंचायतवासियो प्रखंड-खानपुर जिला-समस्तीपुर

मानसून से पहले सभी ड्रेनों की सफाई समय रहते सुनिश्चित की जाए-मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मानसून से पूर्व प्रदेश में जलभराव व बाढ़ की संभावित स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सभी ड्रेनों की समय रहते सफाई सुनिश्चित की जाए। यदि किसी परियोजना में देरी या लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री आज हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 57वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में 637.25 करोड़ रुपये की 388 बाढ़ नियंत्रण योजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनमें जिला उपायुक्तों द्वारा प्रस्तावित की गई 102 करोड़ रुपये की 59 योजनाएं भी शामिल हैं। बैठक में कृषि एवं किसान

कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 तथा उसके बाद वर्ष 2025 में प्रदेश में जलभराव व बाढ़ की गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। इनसे सबक लेते हुए अभी से बाढ़ राहत कार्यों की ठोस योजना तैयार कर ड्रेनों की सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि जहां भी किसी प्रकार की समस्या हो, वहां तत्काल आवश्यक कार्य करवाएं, क्योंकि अभी पर्याप्त समय उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के किनारे तटबंधों को मजबूत करने तथा भूमि कटाव रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की तर्ज पर मजबूत स्टोन स्टड बनाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि इस वर्ष सभी स्टड नई तकनीक से लगाए जाएं ताकि बाढ़ राहत कार्यों को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। साथ ही, उन्होंने बजरी से भरे कट्टों को तैयार रखने के निर्देश दिए ताकि जिन स्थानों पर अत्यधिक जल प्रवाह से कटाव की आशंका हो, वहां तुरंत उनका उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने गत 10 वर्षों में विभाग द्वारा किए गए स्टोन स्टड कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने यमुना नदी में सीवेज व नालों का प्रदूषित पानी गिरने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी ड्रेन से यमुना में पानी केवल ट्रीटमेंट के बाद ही छोड़ा जाए। इसके लिए सभी आउटफॉल प्वाइंट्स को चिन्हित कर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (रळढ) एवं सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र (उएळढ) के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि अनट्रीटेड पानी यमुना में न जा सके। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने भिवानी-घग्गर ड्रेन की क्षमता बढ़ाने के कार्य को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत से संबंधित उन योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की, जो समय पर पूरी नहीं हो सकीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन योजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाए तथा जनवरी माह के अंत तक सभी योजनाओं के टेंडर अनिवार्य रूप से लगा दिए जाएं। उन्होंने बताया कि इस विषय पर जल्द ही एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की जाएगी।

श्री नायब सिंह सैनी ने ट्रीटेड वॉटर के कृषि उपयोग की संभावनाएं तलाशने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग मिलकर ऐसी योजनाएं तैयार करें, जिनके माध्यम से ट्रीटेड पानी खेतों तक पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रीटेड वॉटर का दोबारा उपयोग, चाहे उद्योगों में हो या कृषि में, सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गढ़ी भरल में 96 लाख की विकास परियोजनाओं की सौगात

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को घरौंडा विधानसभा क्षेत्र के गांव गढ़ी भरल में 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया और 31 लाख रुपये की लागत से बनी अति-आधुनिक चौपाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि घरौंडा हलके को परिवार मानकर पिछले 10 वर्षों में विकास के अनेक कार्य कराए गए हैं। गढ़ी भरल गांव की कुछ लंबित मांगों को मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने ग्रामीणों से अपील की कि निर्माण कार्यों पर स्वयं निगरानी रखें ताकि सरकार के एक-एक पैसे का सही उपयोग हो सके और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने कहा कि 11 वर्ष पहले यह हलका विकास के मामले में काफी पिछड़ा हुआ था, लेकिन एक दशक के भीतर यहां की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।

हरविन्द्र कल्याण ने बताया कि पिछले वर्षों में हलके में 75 नई सड़कें, 30 पुल, पांच नए अस्पताल, आईटीआई, लड़कियों का कॉलेज, घरौंडा में बस अड्डा, 17 स्कूलों का क्रमोन्नयन और कई गांवों में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा मेडिकल यूनिवर्सिटी, एनसीसी अकादमी और रिंग रोड का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। पास के गांव बरसात में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के सभी लंबित विकास कार्यों को हर हाल में पूरा कराया जाएगा। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष ने बरसत-गढ़ी भरल सड़क पर बने खस्ताहाल पुल का पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि यहां नए पुल को मंजूरी दी जा चुकी है और 15 करोड़ रुपये का टेंडर भी हो चुका था, लेकिन पुल के नीचे की जमीन मलकीयत की होने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका।

नव वर्ष सोच और संकल्प बदलने का अवसर: पराग गाबा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष पराग गाबा और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी दिव्यांशु बुद्धिराजा ने नव वर्ष के अवसर पर देशवासियों तथा करनाल जिले के नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नव वर्ष केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का अवसर नहीं है, बल्कि यह अपनी सोच, दृष्टिकोण और संकल्प को सकारात्मक दिशा देने का समय है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को नव वर्ष पर बुराइयों, नकारात्मकता और आपसी वैमनस्य को त्याग कर समाज और राष्ट्रहित में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की मजबूती आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

पराग गाबा और दिव्यांशु बुद्धिराजा ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और समानता को मजबूत करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी

सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाला नव वर्ष करनाल सहित पूरे देश के लिए शांति, विकास और खुशहाली का संदेश लेकर आएगा।

नई उम्मीदें और नए संकल्प लेकर आए नया साल: डीसी अपराजिता

एसबी संवाददाता

कैथल। डीसी अपराजिता ने समस्त जिला वासियों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि नया साल हमारे लिए नई उम्मीदें और नए संकल्प लेकर आता है। जिला प्रशासन की ओर से मैं आप सभी के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करती हुँ। आइए, इस नए वर्ष में हम मिलकर अपने जिले को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने का संकल्प लें। सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना, शिक्षा, स्वास्थ्य और जिले में शांति व सद्भाव बनाए रखना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

उपायुक्त कैथल अपराजिता।

आप सभी का जीवन खुशियों से भरा रहे।

विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा देश व प्रदेश: नवीन जिंदल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि नूतन वर्ष आपके जीवन में प्रगति और खुशहाली लाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पिछला वर्ष हमारे लिए उपलब्धियों भरा रहा है और मुझे विश्वास है कि 2026 में हम विकास की नई ऊंचाइयों को छुएंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में हम निरंतर कार्य कर रहे हैं। मेरी कामना है कि यह नया साल हमारे युवाओं के लिए नए अवसर और किसानों के लिए समृद्धि लेकर आए। आइए, विकसित भारत के सपने को

सांसद कुरुक्षेत्र नवीन जिंदल।

साकार करने में अपना योगदान दें।

आरोही मॉडल स्कूल सोंगरी में सस्टेनेबिलिटी कैलेंडर 2025 के तहत इको फ्रेंडली गतिविधियों का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सोंगरी स्थित आरोही मॉडल स्कूल में सस्टेनेबिलिटी कैलेंडर 2025 के अंतर्गत इको क्लब की ओर से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न इको फ्रेंडली गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा सितंबर माह में चलाए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए कैथल प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय को सम्मानित किया जा चुका है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छ विद्यालय-स्वस्थ जीवन, पानी बहुमूल्य है तथा सस्टेनेबल फूड हैबिट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। इन विषयों को व्यवहारिक रूप देने के लिए विद्यार्थियों द्वारा स्लोगन लेखन, पेंटिंग तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में उत्कृष्ट कार्य पर विद्यालय को कैथल प्रशासन व शिक्षा विभाग से मिला सम्मान

विद्यालय के ग्रीन क्लब के माध्यम से बच्चों को सस्टेनेबल फूड हैबिट अपनाने, सूखे व गीले कचरे को अलग-अलग करने तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली के बारे में जानकारी दी गई। नवंबर और दिसंबर माह में इको फ्रेंडली फेस्टिवल सेलिब्रेशन को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों ने आकर्षक मॉडल तैयार किए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हुई रैली भी निकाली।

इको क्लब इंचार्ज डॉ. रीना सैनी ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

विद्यालय परिवार ने भी यह संकल्प लिया कि भविष्य में विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति और अधिक संवेदनशील बनाकर जल संरक्षण, वृक्षारोपण व स्वच्छता के कार्यों को निरंतर जारी रखा जाएगा।

विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. सुनीता आहूजा ने विद्यार्थियों द्वारा की गई सभी गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता विकसित करते हैं, जो एक सस्टेनेबल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शारदा हॉस्पिटल ने वृंदावन वात्सल्य ग्राम में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया

संजना भारती संवाददाता

वृंदावन, मथुरा। ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा हॉस्पिटल द्वारा वृंदावन के सुप्रसिद्ध वात्सल्य ग्राम में एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। इस अवसर पर शारदा हॉस्पिटल के महाप्रबंधक गौरव पांडेय ने बताया कि परम पूजनीय दीदी मां साध्वी ऋतंभरा जी के आश्रम वात्सल्य ग्राम में यह एक दिवसीय शिविर लगाया गया। इस शिविर का आयोजन दीदी मां साध्वी ऋतंभरा जी के अवतरण दिवस के अवसर पर मनाये जा रहे वात्सल्य महोत्सव के दौरान किया गया। शिविर में 200 से भी ज्यादा लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

इस शिविर में विशेष रूप से हड्डियों में कैल्शियम की जांच, रक्त में हीमोग्लोबिन की जांच, डायबिटीज की बीमारी के लिए शुगर की जांच और साथ ही शरीर में नसों में होने वाली कमजोरी के लिए न्यूरोपैथी की जांच विशेष रूप से की गई। दीदी मां साध्वी ऋतंभरा जी ने अपना स्वयं का भी स्वास्थ्य चेकअप कराया, इसके बाद से लोगों में कैंप में डॉक्टर से परामर्श करने और जांच करने

के लिए विशेष उत्साह देखा गया।

इस शिविर में शारदा हॉस्पिटल एवं शारदा केयर हेल्थ सिटी ग्रेटर नोएडा के डॉक्टर विजय कुमार ने मुख्य परामर्श दिया। डॉ विजय कुमार एक जिरियाट्रिक रोग विशेषज्ञ है जिसे हम वरिष्ठ नागरिक रोग विशेषज्ञ भी कह सकते हैं। डॉ विजय कुमार ने शिविर में आए वरिष्ठ नागरिकों को परामर्श दिया। साथ ही कैंप में डॉ आकाश अवाना, डॉ राकेश, डॉक्टर अनुपम शर्मा ने मरीजों को निशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया। शिविर में आए लोगों में कैल्शियम की कमी और विटामिन डी की कमी पाई गई। उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की समस्या भी काफी सामान्य रूप से जांच के बाद लोगों के अंदर पाई गई।

इस सिविल में शारदा हॉस्पिटल की तरफ से निशुल्क दवाइयां भी बांटी गई। शिविर में शारदा हॉस्पिटल की ओर से महेश चंद शर्मा, दीपक शर्मा, हिमांशु, अभय ने भाग लिया।

सरकारी स्कूल ललैन में समाजसेवियों ने बच्चों को वितरित किए गर्म वस्त्र

संजना भारती संवाददाता

असंध। सरकारी स्कूल ललैन में क्लेस्टर हैड विनोद ढुल की अध्यक्षता में सर्दी में ठुठरते बच्चों को समाजसेवियों ने अच्छी गुणवत्ता के गर्म ट्रैक सूट,जूते व जुराब आदि गर्म वस्त्र वितरित किए। अभिभावक और छोटे छोटे बच्चे गर्म वस्त्र पाकर अत्यंत खुश नजर आए। क्लेस्टर हैड विनोद ढुल ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में बच्चों की सहायता करना या अन्य किसी भी प्रकार से विद्यालय का सहयोग करना एक प्रशंसनीय कार्य है। स्कूल हैड नरेंद्र जांगड़ा ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अधिकांश बच्चे बीपीएल परिवार से संबंध रखते हैं और इन बच्चों को सहयोग करना अत्यंत प्रेरणादायक कार्य है। इस पुण्य कार्य में मुख्यत समाजसेवी रविन्द्र ठेकेदार, स्कूल हैड नरेंद्र जांगड़ा, मास्टर जितेन्द्र और सुनील एडवोकेट, जोगिंदर प्रधान,अशोक कुमार, नरेंद्र एडवोकेट, सूबे सिंह, तेजा सिंह, संदीप व हिशम सिंह के सहयोग से बच्चों को ट्रक शूट, जुते व जुराब आदि गर्म वस्त्र वितरित किए गए।

जरुरतमंदों की मदद करना हम सभी का नैतिक दायित्व: योगेश कंसल

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। श्री खाटू श्याम परिवार असंध के सदस्यों ने पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय असंध में 120 जरुरतमंद विद्यार्थियों को जूते वितरित किए। श्री खाटू श्याम परिवार असंध के प्रधान योगेश कंसल ने कहा कि जरुरतमंदों की मदद करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। गरीबों व जरुरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हमें आगे आना चाहिए। प्रधानाचार्य पवन जिंदल ने कहा कि श्री खाटू श्याम परिवार असंध द्वारा किया गया कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इसके लिए श्री खाटू श्याम परिवार असंध पदाधिकारी व सदस्य बधाई के पात्र है। उन्होंने प्रधान योगेश कंसल व टीम का आभार व्यक्त किया। इसके अलावा श्री खाटू श्याम परिवार असंध के सदस्यों ने बिलौना के सरकारी स्कूल में भी जरुरतमंद विद्यार्थियों को जर्सियां व जूते वितरित किए। इस अवसर पर घनश्याम गर्ग,दिनेश बिंदल, विशाल गोयल, दिनेश मंगला, राजेश गोयल, डॉ. श्रीराम शर्मा, संदीप गोयल, रविंद्र गर्ग, सुरेन्द्र अत्री, धीरज शर्मा, अतुल गर्ग सहित अन्य मौजूद रहे।

नव वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो: विधायक सतपाल जांबा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल/पूंडरी। पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि नव वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो। नए साल का यह सवेरा आपके जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी देश व प्रदेश नए आयाम छू रहा है। उनके मार्गदर्शन में तथा विधायक के रूप में मेरा प्रयास रहेगा कि हम अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान निरंतर करते रहे और विकास कार्यों में और तेजी लाएंगे। आमजन का प्यार और सहयोग ही मेरी असली ताकत है। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह नया साल

विधायक पूंडरी सतपाल जांबा।

आप सभी के लिए मंगलकारी और लाभकारी सिद्ध हो।

नववर्ष 2026 के शुभआगमन

के अवसर पर खानपुर थाना के नए थानाध्यक्ष

शिवपूजन कुमार

की ओर से खानपुर थाना क्षेत्रवासियों, प्रखंड के सभी पदाधिकारियों, जिला के सभी पदाधिकारियों एवं जिलावासियों, बिहारवासियों सहित देशवासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं एवं भगवान श्री गणेशजी की कृपा से अंनत खुशियों की बधाईया।

निवेदकः
समस्त खानपुर थाना के सभी पदाधिकारी एवं सभी कर्मी सहित सभी चौकीदारगण, थाना-खानपुर, जिला-समस्तीपुर